सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, मंगलवार, 18 मार्च, 2025
वर्ष: 02, अंक: 81, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

इनसाइड शिकायतों का हो गुणवतापूर्ण निस्तारणः डीसीपी... Pg02

फडणवीस बोले- सुनियोजित थी नागपुर हिंसा, शांति की अपील

Pg12

अधिवक्ताओं-पुलिस के बीच तनाव, विरोध प्रदर्शन तेज

वकीलों की हड़ताल से कोर्ट का कामकाज ठप

दोषियों पर कार्रवाई की मांग । पुलिस कमिश्नर से करेंगे मुलाकात । अधिवक्ताओं की चल रही मीटिंग

150 वकीलों पर मुकदमा दर्ज किए जाने से बढ़ा आक्रोश

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में वकीलों और पुलिसकर्मियों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। विभूति खंड थाने में हुई झड़प के बाद पुलिस द्वारा 150 वकीलों पर मुकदमा दर्ज किए जाने से अधिवक्ताओं में आक्रोश बढ़ गया है। इस घटना के विरोध में अवध बार एसोसिएशन ने 18 मार्च से हड़ताल का ऐलान किया है। वकीलों की मांग है कि दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित किया जाए और उन पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं।

दरअसल, होली के मौके पर लखनऊ के विभूति खंड थाने में पुलिस और अधिवक्ताओं के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते बड़े विवाद में बदल गई। अधिवक्ताओं का आरोप है कि पुलिस ने उनके साथ अभद्रता की और कई वकीलों को पीटा। इस घटना के बाद अधिवक्ताओं ने 10 पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में 150 वकीलों पर मुकदमा दर्ज कर दिया।

नाराजगी: आज से कार्य का बहिष्कार

रविवार को लखनऊ बार एसोसिएशन और सेंट्रल बार एसोसिएशन ने आपातकालीन बैठक बुलाई, जिसमें वकीलों की एकजुटता और विरोध प्रदर्शन को लेकर कई फैसले लिए गए। बैठक में 11 प्रस्ताव पारित किए गए, जिसमें 18 मार्च से सभी अधिवक्ताओं के कार्य बहिष्कार पर सहमति बनी। वकीलों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

वकीलों के भारी विरोध और दबाव के बाद लखनऊ पुलिस को झुकना पड़ा और

झुकी पुलिस, दोषियों के खिलाफ की एफआईआर

एक इंस्पेक्टर समेत नौ पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। हालांकि, पुलिस ने भी दो नामजद और अन्य अज्ञात वकीलों पर मुकदमा कायम कर दिया है। वकीलों ने चेतावनी दी है कि अगर उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए गए, तो वे अपना आंदोलन और तेज करेंगे।

बदले की कार्रवाई का आरोप

बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने पुलिस पर द्वेष भावना से ग्रसित होकर कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। अधिवक्ताओं का कहना है कि पुलिस ने जानबूझकर वकीलों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए हैं, जिससे उनकी छवि खराब हो। इसे लेकर 17 मार्च को लखनऊ बार एसोसिएशन और सेंट्रल बार एसोसिएशन की संयुक्त बैठक बुलाई गई, जिसमें आंदोलन को लेकर रणनीति बनाई गई।

बार एसोसिएशन ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इस हड़ताल के चलते लखनऊ कोर्ट में कामकाज प्रभावित हो सकता है। वकीलों ने संकेत दिए हैं कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो यह आंदोलन प्रदेशव्यापी रूप ले सकता है।

कोर्ट में प्रदर्शन की तैयारी, बढ़ाई सुरक्षा

अधिवक्ताओं के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। कोर्ट परिसर और हजरतगंज के आसपास अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है। डीसीपी स्तर के अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि हालात को नियंत्रण में रखने के लिए कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

वकीलों की प्रमुख मांगें

- विभूति खंड थाने के दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित किया जाए।
- वकीलों पर दर्ज सभी मुकदमे तुरंत वापस लिए जाएं।
- पुलिस प्रशासन व अधिवक्ताओं के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने के लिए वार्ता हो।
- भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उचित नियम बनाए जाएं।

हजरतगंज-कैसरबाग में ट्रैफिक डायवर्जन

वकीलों के संभावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए हजरतगंज और कैसरबाग क्षेत्रों में ट्रैफिक डायवर्जन लागू कर दिया गया है। स्वास्थ्य भवन चौराहे के पास भी अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

सामूहिक हत्याकांड में तीनों दोषियों को फांसी की सजा

44 साल पहले 24 हत्याओं से दहला था दिहुली

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मैनपुरी। फिरोजाबाद के दिहुली में 44 साल पहले सामूहिक नरसंहार के तीनों दोषियों को न्यायालय द्वारा फांसी की सजा सुनाई गई है। सजा सुनाते हुए डकैती न्यायालय की न्यायाधीश इंदिरा सिंह ने दोषियों पर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। सजा सुनाए जाने के बाद तीनों दोषियों को जेल भेज दिया गया है।

फिरोजाबाद जिले के थाना जसराना क्षेत्र के दिहुली में 18 नवंबर 1981 की शाम पांच बजे के करीब हथियारबंद बदमाशों ने गांव में घुसकर दलित जाति बस्ती में हमला बोला था। घरों में मौजूद महिलाओं, पुरुष और बच्चों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाना शुरू कर दीं।

तीन घंटे में 23 की हुई थी मौत

बदमाशों ने तीन घंटे तक फायरिंग की। फायरिंग में 23 लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। जबकि एक घायल की इलाज के दौरान फिरोजाबाद अस्पताल में जान चली गई थी। घटना की प्राथमिकी दिहुली निवासी

लायक सिंह ने 19 नवंबर को जसराना थाने में राधेश्याम उर्फ राधे, संतोष चौहान उर्फ संतोषा के खिलाफ दर्ज कराई गई।

मामले में रामसेवक, रविंद्र सिंह, रामपाल सिंह, वेदराम सिंह, मिट्ठू, भूपराम, मानिक चंद्र, लटूरी, रामसिंह, चुन्नीलाल, होरीलाल, सोनपाल, लायक सिंह, बनवारी, जगदीश, रेवती देवी, फूल देवी, कप्तान सिंह, कमरुद्दीन, श्यामवीर, कुंवरपाल, लक्ष्मी को शामिल किया गया था।

पुलिस द्वारा विवेचना कर आरोप पत्र न्यायालय भेज दिया। मामले की कुछ दिन जिला न्यायालय में सुनवाई चली, लेकिन डकैती न्यायालय न होने के बाद इसे प्रयागराज के लिए स्थानांतरित कर दिया गया। वहां सुनवाई के बाद मामला फिर से मैनपुरी स्पेशल जज डकैती न्यायालय भेज दिया गया। जहां मामले की 15 सालों से सुनवाई चल रही है।

सजा सुनाने के साथ जुर्माना भी लगाया

आज मंगलवार को दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल न्यायालय में उपस्थित हुए। इस दौरान न्यायाधीश इंदिरा सिंह ने तीनों दोषियों को फांसी की सजा सुनाते हुए 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। इस दौरान तीनों दोषी रो-रो कर न्यायालय के सामने अपनी सफाई देते रहे।

शिकायतों का हो गुणवत्तापूर्ण निस्तारण:डीसीपी आरती सिंह

खंड विकास कार्यालय सभागार में आयोजित हुए संपूर्ण समाधान दिवस में की जनसुनवाई

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। समाधान दिवस में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह और पुलिस उपायुक्त आरती सिंह ने क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के साथ ही शिकायतकर्ता को संतुष्ट भी करें।

सोमवार को खंड विकास कार्यालय सभागार में आयोजित हुए संपूर्ण समाधान दिवस में तेजतर्रार छवि की कृतवनिष्ठ और न्यायप्रिय पुलिस उपायुक्त आरती सिंह ने कहा कि जन शिकायतों व समस्याओं का समय से निस्तारण कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुलिस संबंधी शिकायतों का निष्पक्षता और बिना किसी भेदभाव के निस्तारण हो। उन्होंने कहा कि भूमि संबंधी विवादों को पुलिस एवं राजस्व की संयुक्त टीम बनाकर निस्तारित कराया जाए।साथ ही थानों में तैनात बीट पुलिस ऑफिसर को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर शिकायतों की जांच एवं आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।इस दौरान उपजिलाधिकारी बिल्हौर,सहायक पुलिस आयुक्त बिल्हौर व अन्य सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे.

9 करोड रुपए से अधिक की बकाएदारी में सीएसए यूनिवर्सिटी के खाते सीज

» नगर निगम की राजस्व टीम ने की कार्रवाई

» नगर आयुक्त सुधीर कुमार के निर्देश पर राजस्व वसूली में सख्ती

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम कानपुर राजस्व वसूली के मामले में पिछड़ने के कारण बकाएदारों पर सख्ती शुरू हो गई है। बीते दिनों ने नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने सभी जोनल अधिकारियों के साथ मीटिंग करके बडे बकाएदारों पर सख्त एक्शन लेने को कहा था। इस के बाद निजी और सरकारी बडे बकाएदारों पर एक्शन लिया जा रहा है।

सोमवार को जोन-6 की टीम ने चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय सीएसए का भारतीय स्टेट बैंक के दो खाते सीज करने की कार्रवाई की। जोनल अधिकारी रविशंकर यादव के अनुसार 9 करोड 86 लाख रूप्ए बकाया है। कई बार अनुरोध करने पर भी नगर निगम के भुगतान को लेकर कोई रूचि नहीं ली गई। इसपर नगर निगम ने बैंक से समन्वय स्थापित करके दो बैंक खाते सीज करवा दिए गए। इसके बाद सीएसए के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही बकाया राशि नगर निगम कोष में जमा की जाएगी। इसके अलावा विजनगर में भवन संख्या 121 जे-2-47 पर 3 लाख 91 हजार रूप्ए राजस्व बकाएदारी पर सीज किया गया। इसी प्रकार मसवानपुर में भी तीन भवनों के सीलिंग की कार्रवाई की गई।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा कि राजस्व वसूली के लिए कोताही न बरती जाए, बकाएदारों पर कुर्की, सीलिंग की कार्रवाई तेजी से अमल में लाई जाए। इससे नगर निगम की बकाएदारी क्लियन हो सके।

नगर निगम के संपत्ति विभाग में रिटायर्ड कर्मियों एवं दलालों का मकड़जाल

» रिटायर्ड कर्मियों की मदद से किया जा रहा है भ्रष्टाचार

» संपत्ति प्रभारी अनिरूद्ध सिंह की अनदेखी से संपत्ति विभाग में बढ़ रहा भ्रष्टाचार

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर आयुक्त सुधीर कुमार के सख्त निर्देशों के बावजूद कुछ विभाग बेलगाम हैं। यहां पर रिटायर्ड कर्मियों एवं दलालों का सिंडीकेट बनाकर नगर निगम के खजाने को चूना लगाया जा रहा है। नगर निगम की कानपुर में तमाम वेशकीमती संपत्तियां धूल खा रही हैं या फिर कब्जे का शिकार हैं लेकिन संपत्ति विभाग के अधिकारी और कर्मचारी दलाली में जुटे हैं।

गोपनीय इनपुट के अनुसार जुनेद आलम दो साल पहले ही संपत्ति विभाग से लेखाकार के पद से रिटायर हो चुका है लेकिन इसके बाद भी उसका दखल खत्म नहीं हुआ है। लिपिक अमन निगम से मिलीभगत करके महाबलिपुरम योजना सहित अन्य इलाकों की संपत्तियों की रजिस्ट्री, लीज पर खेल किया जा रहा है। जब कि जनता परेशान होती है लेकिन

उसकी कोई सुनवाई नहीं होती है। दलालों के माध्यम से ही बारातशाला, हो फिर रैनबसेरे ओर अन्य संपत्तियों की आवंटन और निरस्तीकरण का खेल चल रहा है।हालात यह है कि जोन-2 के जोनल प्रभारी अनिरूद्ध सिंह ही संपत्ति विभाग के प्रभारी हैं लेकिन उनको कोई जानकारी नही है। जब रिटायर कर्मियों के विभाग में दखल को लेकर संवाददाता द्वारा सवाल पूछा गया तो कहा कि हमे इस तरह की जानकारी नहीं है न ही कोई शिकायत आई है। वहीं, रिटायर्डकर्मी को कभी किसी फाइल य अन्य जानकारी के लिए बुलाया जाता है।

रिटायर होने के बाद भी जुनेद आलम का संपत्ति विभाग में चल रहा खेल

लिपिक अमन निगम तबादले के बाद भी जमे

संपत्ति अनुभाग में तैनात लिपिक अमन निगम का तबादला स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में किया गया था लेकिन अबतक अपनी सीट पर जमे हुए हैं। पटल पर बैठकर कार्यो को अंजाम दे रहे हैं। इनपुट है कि वह संपत्ति विभाग में अवैध कमाई के कारण जगह नहीं छोडना चाहते हैं, यही वजह है कि सेटिंग करके तबादला रूकवाने में जुटे हैं। वहीं, कार्मिक प्रभारी विद्यासागर सिंह यादव ने बताया कि तबादला वाले कर्मियों का पता करके रिलीव कराया जाएगा। अगर इसके बाद भी ज्वाइन करेंगे तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

चकेरी इलाका अपराधियों के लिए बना आफत

ढोल बजाकर निकाला शातिर का जुलूस, जिलाबदर कर सीमा से किया बाहर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। चकेरी थानाक्षेत्र में इन दिनों अपराधियों की आफत आई हुई है। पूर्व की तरह इस बार फिर पुलिस ने शातिर गुंडा एक्ट के आरोपी को ढोल बजवाकर गली-गली घुमाया। इसके बाद शातिर को जिले की बाहर सीमा तक छोड़ जिला बदर किया गया। पुलिस ने आरोपी को छह माह तक जिले में दिखने पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की चेतावनी दी है। इस दौरान पुलिस की कार्रवाई से क्षेत्र के लोग प्रशंसा करते नजर आए।

चकेरी इंस्पेक्टर संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि सनिगवां के गायत्री नगर निवासी नवील हसन उर्फ नवील गाजी एक शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ चकेरी थाने में हत्या के प्रयास, रंगदारी मांगने, मारपीट, समेत अन्य धाराओं में चार मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने उसके अपराध को देखते हुए पहले गुंडा एक्ट की कार्रवाई की थी। जिसके बाद अब अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था हरीश चंदर ने उसे छह महीने के लिए जिला बदर घोषित कर दिया। जिला बदर घोषित होते ही चकेरी पुलिस उसके घर ढोल लेकर पहुंची। पुलिस ने उसके घर से मुनादी कराकर जुलूस निकाला और जिन-जिन इलाको में नवील गाजी की दहशत थी उसे वहां से पुलिस हिरासत में पैदल घुमाया।

वहीं आरोपी के घर के बाहर नोटिस भी चस्पा किया। पुलिस की इस कार्रवाई से दहशत के माहौल में जी रहे लोग काफी खुश नजर आए। चकेरी पुलिस ने इसके बाद शातिर को कानपुर की सीमा के बाहर उन्नाव के गंगाघाट में क्षेत्र में छोड़ दिया।

पुलिस ने चेतवानी दी कि अगर जिले में दिखे तो पुलिस मुकदमा दर्ज कर जेल भेजेगी।

इस संबंध में इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी ने फिर से अपराध किया तो अब गैंगस्टर की कार्रवाई की जाएगी। मालूम हो कि इससे पहले भी गांजा तस्कर हो या कोई शातिर अपराधी चकेरी पुलिस इसी तरह से उसका जुलूस निकालकर जेल भेज चुकी है।

मई माह से शुरू हो जाएगा दादा नगर समानांतर पुल

» दक्षिण क्षेत्र में आबादी बढ़ने से बन रही जाम की समस्या

» रेलवे ने ट्रैक के ऊपर रखा गार्डर, छूटा हिस्सा जोड़ने व रैंप बनाना शुरू

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर दक्षिण क्षेत्र में बढ़ रही आबादी की वजह से जाम की समस्या भी बढ़ती जा रही है। वर्तमान में समस्या सबसे अधिक है क्योंकि मेट्रो और दादानगर समानांतर पुल दोनों का निर्माण कार्य चल रहा है। सेतु निगम के अधिकारियों का दावा है कि पुल का निर्माण मई में पूरा हो जाएगा और जून माह में पुल को जनता के लिए शुरू कर दिया जाएगा। कानपुर दक्षिण क्षेत्र से शहर की ओर आने व जाने के लिए गोविंदपुरी और दादा नगर पुल मुख्य मार्ग हैं लेकिन इन दोनों पुलों पर सुबह से लेकर देर शाम तक जाम की स्थिति बनी रहती है। लोगों को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए दादा नगर पुल के समानांतर पुल का निर्माण वर्ष 2023 की जून माह में शुरू हुआ था। सेतु निगम के अधिकारियों के मुताबिक ढाई माह में निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा।वर्तमान में यहां लगभग 90 फीसदी काम पूरा होने को है। सेतु निगम के उप परियोजना प्रबंधक सुरेंद्र कुमार सुमन के मुताबिक रेलवे ने ट्रैक के ऊपर 30 मीटर लंबा गार्डर एक सप्ताह पहले रख दिया है। वर्तमान में सेतु निगम के हिस्से को रेलवे के हिस्से से जोड़ने का काम हो रहा है। इसके साथ ही पुल को सड़क से जोड़ने के लिए रैंप का निर्माण किया जा रहा है।मेट्रो एलिवेटेड सेक्शन भी यहां से गुजर रहा है, जिसकी वजह से कुछ समस्या आई थी। इसके अलावा मेट्रो के दो पिलरों की पाइलिंग भी अभी तक नहीं हो सकी है। जल्द पाइलिंग करने को लेकर मेट्रो के अधिकारियों से वार्ता की गई है ताकि पुल जून माह में जनता के लिए खोलने में आसानी हो।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अपर्णा यू ने GSVSS PGI का किया निरीक्षण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में मंगलवार को चिकित्सा शिक्षा सचिव अपर्णा यू ने जीएसवीएसएस पीजीआई का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी, काउंटर, दवा वितरण केंद्र, सीटी स्कैन व एमआरआई आदि देखा। इस दौरान उनके साथ प्राचार्य डॉ. संजय काला, डॉ. मनीष सिंह समेत अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।निरीक्षण के दौरान अपर्णा यू ने कहा कि जेके कैंसर की बदहाली को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल मरीजों की भीड़ जो अधिक हो रही है, उसको देखते हुए स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाई जाएगी। कार्डियोलॉजी में तीन कैथ लैब बननी है। उस पर बातचीत की। निदेशक डॉ. राकेश वर्मा ने बताया कि टेंडर प्रकिया होने के बाद काम शुरू हो जाएगा। वार्ड में उन्होंने मरीजों से उनके हाल-चाल लिए।

सम्पादकीय

टैरिफ घटे तो लाखों उत्पादकों पर मार

दुनिया को नये टैरिफ युद्ध में धकेलने वाले ट्रंप प्रशासन के दबाव की आंच हिमाचल के सेब उत्पादकों तक भी पहुंच रही है। भारत पर सेब आदि उत्पादों पर अमेरिकी टैरिफ घटाने के दबाव ने हिमाचल के सेब उत्पादकों के माथे पर चिंता की लकीरें उकेर दी हैं। वे केंद्र सरकार से गुहार लगा रहे हैं कि किसी भी कीमत पर अमेरिकी सेब पर टैरिफ कम न किया जाए, अन्यथा लाखों उत्पादकों की रोजी-रोटी खतरे में पड़ जाएगी। वे तब से फिक्रमंद हैं जब वर्ष 2023 में आयात शुल्क सत्तर फीसदी से घटाकर पचास फीसदी कर दिया गया था। उनको फिक्र है कि यदि फिर टैरिफ में कमी की गई तो भारतीय बाजार अमेरिका के उच्च गुणवत्ता वाले सस्ते सेब से पट जाएगा। जिससे घरेलू सेब उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। आंकड़े इस गंभीर स्थिति को बयां करते हैं कि वर्ष 2018 में जब टैरिफ बढ़ाए गए तो वर्ष 2022-23 तक अमेरिकी सेब का आयात 1.28 लाख मीट्रिक टन से घटकर सिर्फ 4,486 मीट्रिक टन रह गया था। मौद्रिक संदर्भ में देखें तो यह 145 मिलियन डॉलर से घटकर मात्र 5.27 मिलियन डॉलर रह गया था। सेब उत्पादक इस बात को लेकर चिंतित है कि जब वर्ष 2023 में टैरिफ को फिर से वापस पचास फीसदी पर लाया गया तो आयात में करीब 20 गुना वृद्धि हो गई थी। ऐसे में यदि किसी भी तरह की कमी फिर आयात शुल्क में की जाएगी तो भारतीय बाजार वाशिंगटन सेब से पट जाएंगे। फिर भारतीय प्रीमियम सेब से बहुत कम कीमत पर मिलने के कारण गुणवत्ता का विदेशी सेब उपभोक्ताओं की प्राथमिकता बन जाएगा। खासकर संपन्न तबके की पहली पसंद बन जाएगा। इस चिंता ने घरेलू सेब उत्पादकों की नींद उड़ा दी है। उन्हें डर कि पौष्टिकता व रस की गुणवत्ता में भारतीय सामान्य सेब अमेरिकी सेब का मुकाबला नहीं कर पायेगा। लोगो में आम धारणा रहती है कि विदेशी सेब ज्यादा अच्छा होगा।बहरहाल, अमेरिकी सेब पर टैरिफ घटाने की आशंका से सात लाख सेब उत्पादकों की आजीविका पर खतरा मंडराने लगा है। इसकी वजह यह भी कि अमेरिकी व्यापार वार्ता में कृषि टैरिफ घटाना मुख्य मुद्दा है। हालांकि, भारत जो उच्च आयात शुल्क लगाता है वह सोयाबीन पर 45 फीसदी, मक्का पर 50 फीसदी और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर 150 फीसदी है। अमेरिकी मांग है कि उसके कृषि निर्यात के लिये अवरोध कम किए जाएं। लेकिन निर्विवाद रूप से व्यापार एकतरफा नहीं हो सकता। अगर भारत को रियायतें देनी ही हैं तो उसे अपने उत्पादों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के लिये पारस्परिक बाजारों में पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेब उत्पादक पहले ही सस्ते ईरानी आयातों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। ईरानी सेब भारतीय बाजार में पचास-साठ रुपये कम कीमत पर उपलब्ध है, जिसकी वजह से गैर-प्रीमियम गुणवत्ता वाले सेबों का लाभकारी मूल्य मिलना बेहद मुश्किल है। स्थानीय सेब उस दर पर आयातित सेबों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, क्योंकि राज्य में उत्पादन व परिवहन लागत ज्यादा है। यही असंतुलन भारत में सेब उद्योग को अनियमित आयातों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनाता है। भारतीय उत्पादकों के लिये सुरक्षात्मक उपाय किए बिना किसी भी तरह की टैरिफ कटौती पहले से ही संकट में पड़े फल उद्योग को पंगु बना देगी। वहीं दूसरी ओर 'वोकल फॉर लोकल' को एक नारे से अधिक व्यवहार में लाना है तो भारत को आंख मूंदकर आयात शुल्क कम करने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

बढ़ती उम्र थामने के लिए विज्ञान की पहल

मुकुल व्यास

अध्ययन का एक दूसरा लक्ष्य उम्र से संबंधित बीमारियों से मुक्त जीवन की अवधि को बढ़ाने के लिए रणनीतियों की खोज करना भी है। भविष्य की दवाओं और उपचारों के विकास के लिए इस शोध के महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। दीर्घावधि में यह बुढ़ापा रोधी रणनीतियों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है जिनका उद्देश्य टेलोमियर की रक्षा करने के लिए कोशिकाओं को सक्रिय करना और जीवन काल को बढ़ाना है।

दुनिया के वैज्ञानिक पिछले कुछ सालों से कोशिका के स्तर पर मानव जीवन काल बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन से कारक आयु-वृद्धि को बढ़ावा देते हैं। वे यह भी जानने का प्रयास कर रहे हैं कि क्या उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को पलटा जा सकता है।

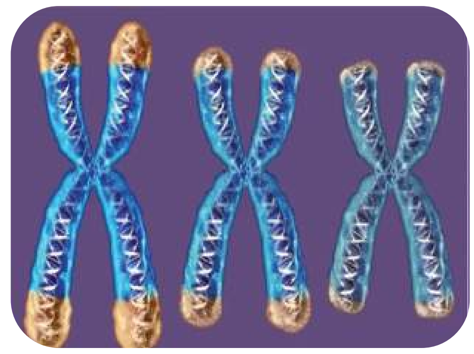

उनकी रिसर्च का मुख्य फोकस टेलोमियर पर है क्योंकि उसके छोटा होने पर बुढ़ापा आता है। आखिर टेलोमियर क्या होते हैं? टेलोमियर दरअसल कोशिका के नाभिक में स्थित गुणसूत्रों (क्रोमोसोम) के सिरों पर एक सुरक्षात्मक संरचना है जो जूते के फीते की नोक की तरह काम करती है। टेलोमियर कोशिकाओं के डीएनए को सुरक्षित रखने और कोशिकाओं की वृद्धि और विभाजन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समय के साथ टेलोमियर छोटे होते जाते हैं। इसकी वजह से कोशिकाएं स्वस्थ विकास के लिए विभाजित होने की अपनी क्षमता खो देती हैं और कुछ अंततः मरने लगती हैं। मनुष्यों में कोशिका के स्तर पर टेलोमियर का अध्ययन हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। अब वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने बुढ़ापा-रोधी शोध को आगे बढ़ाने के लिए मानव जैसे छोटे टेलोमियर वाले चूहे विकसित किए हैं। मानव जैसे छोटे टेलोमियर मानव शरीर और अंगों में आयु वृद्धि के अध्ययन को आसान बनाते हैं। आम तौर पर चूहों में टेलोमियर मनुष्यों की तुलना में 10 गुना लंबे होते हैं। इस अध्ययन के मुख्य शोधकर्ता जियुयू जू ने कहा कि यह वास्तव में मानवकृत टेलोमियर वाला पहला माउस मॉडल है क्योंकि इस मॉडल में टेलोमियर वयस्क ऊतकों में व्यक्त नहीं होता है। जू ने कहा कि अब हमारा लक्ष्य यह देखना है कि चूहों में उम्र कैसे बढ़ती है। आनुवंशिक रूप से संशोधित चूहे जू की टीम को कई शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में सक्षम बना रहे हैं।दरअसल, रिसर्च के मुख्य क्षेत्रों में यह अध्ययन करना शामिल है कि कैसे छोटे टेलोमियर कैंसर के विकास की संभावना को कम करते हैं और मानव जीवनकाल को प्रभावित करते हैं। अध्ययन का एक दूसरा लक्ष्य उम्र से संबंधित बीमारियों से मुक्त जीवन की अवधि को बढ़ाने के लिए रणनीतियों की खोज करना भी है। भविष्य की दवाओं और उपचारों के विकास के लिए इस शोध के महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। दीर्घावधि में यह बुढ़ापा रोधी रणनीतियों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है जिनका उद्देश्य टेलोमियर की रक्षा करने के लिए कोशिकाओं को सक्रिय करना और जीवन काल को बढ़ाना है।कई बीमारियां कोशिका के स्तर पर उत्पन्न होती हैं, इसलिए दवाओं को लक्षित करना एक सामान्य रणनीति है। शोधकर्ता यह अध्ययन भी कर रहे हैं कि नींद मानव स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करती है। संशोधित चूहों का उपयोग यह देखने के लिए किया जाएगा कि नींद की कमी और जीवन के अन्य तनावों का टेलोमियर विनियमन और उम्र वृद्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है। इन विशेष चूहों का विकास 10 साल पहले शुरू हुआ था। टेलोमियर उम्र वृद्धि को कैसे नियंत्रित करते हैं, पहले इसका अध्ययन पेट्री दूध में अलग-अलग मानव कोशिकाओं का उपयोग करके किया जाता था। नए माउस मॉडल की खासियत यह है कि इससे पूरे जीव में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया जा सकता है। शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि आयु-वृद्धि, मानव दीर्घायु और कैंसर पर अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए संशोधित चूहों को अन्य शोध टीमों के साथ साझा किया जाएगा। नया माउस मॉडल दुनिया भर के विज्ञानियों को इन प्रक्रियाओं का पता लगाने के लिए एक मूल्यवान उपकरण प्रदान कर सकता है।एक दिलचस्प बात यह है कि कुछ जीवों ने अस्थायी रूप से उम्र वृद्धि की प्रक्रिया को उलटने का तरीका खोज लिया है।

सरकारी जवाबदेही व सामाजिक जागरूकता जरूरी

प्लास्टिक कचरा

पंकज चतुर्वेदी

प्लास्टिक कचरा आज पर्यावरणीय संकट का एक बड़ा कारण बन चुका है, जो हमारे जल, वायु और भूमि को प्रभावित कर रहा है। सरकार ने इस पर नियंत्रण के लिए कुछ कानूनी कदम उठाए हैं, लेकिन सामाजिक जागरूकता और उत्तरदायित्व की पहल अभी भी जरूरी है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के स्थानीय निकायों से ठोस कूड़े के निष्पादन में कोताही पर सवाल उठाया है, जबकि यह समस्या पूरे देश में फैली हुई है। हर दिन छोटे गांवों से लेकर महानगरों तक ठोस कूड़े का पहाड़ बढ़ रहा है, जो धरती, पानी और हवा को प्रदूषित करता है।

कूड़े का एक बड़ा हिस्सा प्लास्टिक का है, जो अब हमारे तंत्र और स्वास्थ्य के लिए गंभीर संकट बन चुका है। यह वैश्विक स्तर पर एक बड़ी चुनौती बन गई है। यह प्लास्टिक अति सूक्ष्म रूप में हमारे समूचे तंत्र की रक्त शिराओं से लेकर सांस तक के लिए संकट बन चुकी है।विशाखापत्तनम से बस्तर जाने वाले रास्ते पर स्थित कोरापुट एक छोटा-सा कस्बा है, जो चारों ओर पहाड़ों और हरियाली से घिरा हुआ है। लेकिन जैसे ही शहर की सीमा समाप्त होती है, ऊंचाई के घाट पर प्लास्टिक की पन्नियां, पानी की बोतलें और नमकीन-चिप्स के पैकेजिंग उड़ते हुए दिखाई देते हैं। बरसात के दौरान ये कूड़ा धीरे-धीरे जमीन और खेतों में समाहित हो जाता है, जिससे पर्यावरण और इंसान की जीवनरेखा पर नकारात्मक असर पड़ता है।कोरापुट तो सिर्फ एक उदाहरण है, शहरी, कस्बे और गांवों के नाम बदलते रहें, लेकिन सड़कों के किनारे नैसर्गिक हरियाली और पहाड़ अब धीरे-धीरे प्लास्टिक कचरे से ढकते

जा रहे हैं। दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप कुछ समाधान ला सकता है, लेकिन मोदीनगर या पलवल जैसे स्थानों पर कोई प्रभावी तंत्र नहीं है, जो इस समस्या की गंभीरता को समझे और उस पर कार्रवाई करे।वर्ष 2014 में शुरू हुआ स्वच्छता अभियान शौचालय और कचरे के प्रति आम लोगों को जागरूक करने में सफल रहा, लेकिन आंकड़ों पर गौर करें तो यह स्पष्ट होता है कि कचरे का उत्पादन तो कम हुआ नहीं, बल्कि उसका निपटान भी प्रभावी तरीके से नहीं हो पा रहा है। हमने कोई ऐसा ठोस कदम या विधान विकसित नहीं किया है, जिससे कचरा कम हो और उसका नियमित, कारगर निपटान हो। जनवरी, 2019 में केंद्र सरकार ने 'सिंगल-यूज़ प्लास्टिक' पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन हाल ही में संसद में पेश किए गए आंकड़े भयावह हैं। देश में हर साल 41.36 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हो रहा है और तमिलनाडु सबसे अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करने वाला राज्य है।तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में प्लास्टिक कचरे की पुनर्चक्रण क्षमता 11.5 लाख टन प्रति वर्ष है, लेकिन इसका केवल 33 प्रतिशत ही वास्तविक रूप से उपयोग हो सका। इसका मतलब है कि अधिकांश कचरा यूं ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में समाहित हो गया। दिल्ली में इस दौरान 4.03 लाख टन प्लास्टिक कचरा पैदा हुआ, जबकि तेलंगाना दूसरे स्थान पर रहा, जहां 5.28 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ। यह स्थिति तब है जब राज्य सरकार ने प्लास्टिक कचरे पर पाबंदी लगा रखी है, लेकिन आंकड़े यह दर्शाते हैं कि यह पाबंदी केवल कागजों तक सीमित है और वास्तविकता में कुछ भी प्रभावी कदम नहीं उठाए गए।

संसद में यह भी बताया गया कि देशभर में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों (पीडब्ल्यूएमयू) की संख्या केवल 978 है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण में यह प्रावधान है कि प्रत्येक ब्लॉक में पीडब्ल्यूएमयू स्थापित किए जाएं, और इसके लिए केंद्र सरकार 16 लाख रुपये की राशि मुहैया कराएगी। हालांकि, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत कचरे के संग्रहण और परिवहन के लिए स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों को जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन इनके पास न तो पर्याप्त कर्मचारी हैं और न बजट। परिणामस्वरूप हो सकता है।

डायरिया भगाए झटपट, इन 5 ड्रिंक्स से मिलेगी राहत!

इस मौसम में लूज मोशन हो रहे हैं या फिर डायरिया की शिकायत ज्यादा देखने को मिल रही है। दस्त से उबरने के दौरान, हाइड्रेटेड रहना और खोए हुए इलेक्ट्रोलाइट्स की भरपाई करना बहुत जरूरी है। इसलिए आप घर पर ही इन 5 नेचुरल ड्रिंक का सेवन कर सकते हैं।

जब शरीर में पानी की कमी होने लगती हैं, तो लूज मोशन या डायरिया हो जाता है। डिहाइड्रेशन के कारण लूज मोशन स्टार्ट हो जाते है। ऐसे में कई बार हेल्थ एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि बॉडी को डिहाइड्रेशन बचने के लिए ओआरएस का घोल पानी पीने की सलाह देते हैं। दस्त से उबरने के दौरान, हाइड्रेटेड रहना और खोए हुए इलेक्ट्रोलाइट्स की भरपाई करना बहुत जरूरी है। वैसे तो मार्केट में कई सारे फ्लेवर्ड ड्रिंक है जो पानी की कमी को दूर करते हैं, लेकिन आप घर पर ही इन 5 नेचुरल ड्रिंक को बना सकते हैं।

कोकोनट वाटर

नारियल पानी पोटेशियम और सोडियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का एक प्राकृतिक स्रोत होता है, जो हाइड्रेशन के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। आप इसे सादा पी सकते हैं या इसकी इलेक्ट्रोलाइट सामग्री को बढ़ाने के लिए इसमें एक चुटकी नमक मिला सकते हैं। इसलिए लूज मोशन या डायरिया होने पर नारियल पानी पिएं। चावल की कांजी

लोजू मोशन से छुटकारा पाने के लिए आप घर पर ही चाव की कांजी बना सकते हैं। चावल की कांजी लूज मोशन के लिए सुखदायक होता है और कुछ पोषण प्रदान करते हुए खोए हुए तरल पदार्थ को पुनः प्राप्त करने में मदद करता है।

बटर मिल्क

आपको बता दें कि, बटर मिल्क यानी छाछ में प्रोबायोटिक ड्रिंक होती है, जो गट हेल्थ को सुधारने में काफी मदद करती है। अगर आपको लूज मोशन हो रहे हैं, तो उसमें छाछ जरुर पिएं।

फॉर्मूला ओरआरएस

आपके नजदीकी मेडिकल स्टोर पर डब्ल्यूएचओ रिकमंडेड फॉर्मूला ओरआरएस पाउडर मिल जाएगा। इसे आप पानी में घोलकर पी सकते हैं। यह बॉडी के इलेक्ट्रोलाइट को बैलेंस करता हैं और पानी की कमी को दूर करता है।

सादा पानी

इन नेचुरल ड्रिंक्स के साथ ही आप थोड़ा-थोड़ा प्लेन पानी जरुर पिएं। जिससे आप जल्दी ठीक हो जाए।

डिस्क्लेम- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

गूगल ने साइबर ठगों से बचाव के अहम उपाय बताए!

स्कैम से बचने का तरीका, गूगल की यह बातें रखें याद!

आजकल ऑनलाइन स्कैम बढ़ता ही जा रहा है। नए-नए तरीके से स्कैम हो रहा है। विश्वभर में गूगल के अरबों यूजर्स हैं। हालिए में गूगल ने अपने यूजर्स के लिए साइबर ठगों से सुरक्षित रहने और धोखाधड़ी की पहचान करने से महत्वपूर्ण उपाय बताए हैं।

टेक्नोलॉजी

आप अपने वित्तीय और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के लिए कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी जरूरी है। आए दिन देश में धोखाधड़ी के मामले सुनने को मिलते हैं। इंटरनेट के जमाने में नए-नए तरीके ठगाई की जा रही है। साइबर अपराधी नए तरीके से लोगों के बैंक खातों से पैसे निकाल रहे हैं। इन दिनों डिजिटल अरेस्ट से लेकर ट्रेडिंग धोखाधड़ी के चलते आम लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।

गूगल ने अपने यूजर्स के लिए साइबर ठगों से सुरक्षित रहने और धोखाधड़ी की पहचान करने से महत्वपूर्ण उपाय बताए हैं। आइए आपको बताते हैं आप अपने वित्तीय और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के लिए कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी जरुरी है।

क्रिप्टो निवेश से सतर्क रहें

कई बार ईमेल या संदेश के माध्यम से आपके पास क्रिप्टो निवेश योजना में उच्च रिटर्न का वादा किया गया है, तो यह एक स्कैम हो सकता है। कोई भी वास्तविक योजना आपको कम समय में धन दोगुना करने की गांरटी नहीं देता है। कोई ऑफर या डील अच्छी लग रही है, तो यह धोखा हो सकता है।

नकली वेबसाइट और एप्स रहें सावधान

साइबर अपराधी फेमस एप्स और वेबसाइटों की नकल कर यूजर्स की व्यक्तिगत डेटा चोरी कर सकते हैं। नकली पोर्टल दिखने में बिलकुल एकदम ऑर्जिनल लगते हैं और कभी-कभी नई आकर्षक सुविधाएं भी जोड़ देते हैं। इसलिए आप केवल एप स्टोर या गूगल प्ले स्टोर से ही डाउनलोड करें।

लैंडिंग पेज क्लोकिंग से बचें

इसके जरिए हाईटेक ठगी की जाती है। स्कैमर्स यूजर्स को और गूगल को अलग-अलग कंटेंट दिखाते हैं। इन वेबसाइट के जरिए साइबर अपराध को अंजाम दिए जाते हैं। यह एकदम ऑर्जिनल वेबसाइटों की तरह होती है और लॉगिन आईडी और अन्य क्रेडेंशियल्स मांगती हैं। इन वेबसाइटो का इस्तेमाल बैंक खातों पर नियंत्रण पाने और पैसे की चोरी करने के लिए किया जाता है।

डीपफेक वाले संदेश

गूगल ने यह भी कहा है कि किसी भी वीडियो, ऑडियो और फोटो को ध्यान से देखें। कई बार ऐसे मामले आए है कि किसी सेलेब्रिटी को किसी ट्रेडिंग एप को प्रमोट करते हैं लेकिन उस एप उस सेलेब्रिटी ने कभी प्रमोट नहीं किया है। इन वीडियो, ऑडियो और फोटो को देखकर लगता है कि असली है लेकिन यह नकली हो सकती है। हालांकि आप इन वीडियो और ऑडियो को ध्यान देखेंगे और सुनेंगे तो आपको पता चलेगा कि इन कंटेंट को एआई की मदद से बनाया है। इन वीडियोज पर भरोसा ना करें

सही फेसवॉश अपनाएं, एक्ने-झुर्रियां मिटाएं!

आजकल ज्यादातर लोग एक्ने, पिंपल, स्किन सैगिंग, रिंकल जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं। फेशवॉश करने का सही तरीका आपके चेहरे को और भी खूबसूरत बना देगा। फेसवॉश करते समय न करें ये गलतियां, जान लीजिए सही तरीका।

सही फेसवॉश से पाएं ग्लोइंग स्किन

लोगों के चेहरे पर एक्ने की समस्या बनीं रहती है या स्किन लूज होने लगती है। हालांकि कई बार तो फेश वॉश की वजह से चेहरे पर एक्ने और रिंकल्स निकाल आते हैं। आइए आपको बताते हैं चेहरे को सही तरह से क्लींज कैसे करें।

हम सभी रोजाना फेसवॉश से चेहरे को क्लीन तो करते हैं लेकिन सही तरीके से बिल्कुल नहीं करते हैं। फेस वॉश करने का सही तरीका

हाथ को साफ करना जरुरी

लोग जल्दीबाजी में चेहरे को क्लीन करते हैं। इसलिए चेहरे को साफ करने से पहले हाथों का साफ करना बेहद जरुरी है क्योंकि हाथों पर सबसे ज्यादा जर्म्स होते हैं। अगर आप गंदे हाथों से चेहरे को साफ करेंगे तो एक्ने बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। चेहरे को करें गीले टिश्यू से साफ ध्यान रहे कि चेहरे पर फेसवॉश लगाने से पहले स्किन पर जमा एक्स्ट्रा डर्ट को हटाना जरुरी है। आप किसी भी टॉवेल या फिर टिश्यू को गीला करके चेहरे पर जमा एक्स्ट्रा डर्ट को पोछ लें।

हाथों पर फोम बनाएं

जब आप फेशवॉश करें, तो सीधा चेहरे पर ना रगड़ें। इसलिए पहले हाथों पर फेसवॉश लें और थोड़े से पानी को डालकर फोम या झाग बना लें। फिर इस झाग वाले हिस्से को स्किन पर रब करें।

फोम के साथ उंगालियों को धीरे-धीरे आराम से सर्कुलेशन मोशन में चेहरे पर रगड़कर क्लीन करें। इससे स्किन सैगिंग की प्रॉब्लम नहीं होगी। ध्यान रखें कि तेजी से स्किन को ना रगड़ें। जेंटली सर्कुलेशन मोशन में रब कर फेस वॉश लगाएं।

पानी से धोएं

हमेशा चेहरे को धोने के लिए ना ज्यादा गर्म और ना ही ज्यादा ठंडा पानी इस्तेमाल करें। हमेशा ल्यूक वार्म वाटर से चेहरे को धो लें।

ऑयली स्किन को साफ करें

अगर आपकी ऑयली स्किन हैं तो आप चेहरे को अच्छी तरह से साफ करने के बाद ऑयली स्किन को टिश्यू से टैप-टैप करके सुखा लें। वहीं, ड्राइ स्किन वाले को सॉफ्ट सूखे तौलिया से चेहरा थपथपाकर सुखाएं।

ग्राम न्यायालय की स्थापना के लिए जिला जज ने किया भूमि का निरीक्षण

खजुरी में की गई जमीन चिन्हित .अधिवक्ताओं की समस्याओं पर भी हुई चर्चा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। ग्राम न्यायालय की स्थायी इमारत के लिए बिल्हौर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आलोक मिश्र टुन्नू द्वारा की जा रही मांग के चलते जिला जज जय प्रकाश तिवारी ने भूमि का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अध्यक्ष के नेतृत्व में अधिवक्ताओ ने स्वागत किया।

बार एसोसिएशन बिल्हौर के अध्यक्ष आलोक मिश्रा एवं महामंत्री महेंद्र कुशवाहा ने बताया कि ग्राम न्यायालय की भूमि ग्राम खजुरी के समीप चिन्हित हुई है। वहां पर अधिवक्ताओ के चेम्बर की समस्या सहित कई मुद्दों को लेकर संगठन की ओर से बात रखी गई है। उन्होंने कहा कि ग्राम न्यायालय की स्थापना से तहसील के वादकारियों को लाभ हुआ है पर मुंसिफ कोर्ट की मांग जारी रहेगी ।

पत्नी को बेरहमी से पीट पीट कर किया लहूलुहान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। एक शराबी पति की हैवानियत का ताजा मामला सामने आया है। विगत 15 मार्च दिन शनिवार को पूखराया कस्बे में वार्ड न 2 खलवा मुहाल में बृजेश कुमार पुत्र लखनलाल संखवार ने अपनी पत्नी प्रभा की मामूली कहासुनी में बेरहमी से लोहे की राड से पीट पीट कर लहूलुहान कर दिया। मरणासन्न पत्नी को छोड़कर ब्रजेश भाग गया है जब पत्नी को होश आया तो वह किसी तरीके से थाने पहुंची वहा आप बीती बताई ब्रजेश कुमार शराब और जुए का लती है आए दिन आकर मारपीट करता रहता है ।प्रभा के 2 बेटी सबसे बड़ी बेटी दिया 10 वर्ष, काव्या 9 वर्ष सबसे छोटा बेटा लगभग 9 माह का है । कानपुर देहात के मंगलपुर थाने के मनकापुर सिकंदरा गांव के छुन्नु लाल संखवार ने अपनी बेटी प्रभा की शादी 15 वर्ष पूर्व पुखरायां के खलवा मुहाल के लखन लाल के पुत्र बृजेश कुमार के साथ की थी पहले तो सब ठीक ठाक चला लेकिन दो तीन साल से बृजेश अपनी पत्नी प्रभा के साथ अच्छा बर्ताव नहीं करता है । जिस बेरहमी से बृजेश ने पत्नी की पिटाई की है उसको देखकर हर किसी का दिल दहिल जाता है। कोतवाल अंजन कुमार सिंह ने बताया है कि रिर्पोट दर्ज कर ले गई हैं आरोपी की तलाश जारी है।

भाजपा की जिलाध्यक्ष बनी रेणुका सचान, कार्यकर्ताओं ने पटाखे छुड़ाकर जताई खुशी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भाजपा जिलाध्यक्ष को लेकर पिछले कई दिनों से चल रही कशमकस आखिर रविवार को थम गई। पार्टी में काफी दिनों से विभिन्न पदों पर जुड़ी रेणुका सचान को चुनाव अधिकारी व राज्यमंत्री की मौजूदगी में जिलाध्यक्ष के पद पर घोषित कर दिया गया। कार्यकर्ताओं ने पटाखे छुड़ाकर खुशी जताई।

भोगनीपुर विधानसभा के बरौर मंडल के गुरुगांव की रहने वाली रेणुका सचान वर्ष 2014 में मंडल कोषाध्यक्ष, वर्ष 2015 में उज्वला योजना की जिला संयोजक, वर्ष 2016 में एनजीओ प्रकोष्ठ की संयोजक रही। जबकि वर्ष 2018 में महिला मोर्चा की महामंत्री, वर्ष 2020 में महिला मोर्चा की जिला संयोजक, वर्ष 2021 में महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष बनाई गई। पार्टी के प्रति उनके कार्यो को देखते हुए रविवार को माती स्थित कार्यालय में जिला चुनाव अधिकारी डॉ. सतीश द्विवेदी, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति, कल्याणपुर विधायक नीलिमा कटियार, वर्तमान जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला आदि की मौजूदगी में रेणुका सचान को भाजपा जिलाध्यक्ष घोषित किया गया। इसपर कार्यकर्ताओं में जमकर आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। नवागत जिलाध्यक्ष ने कहा कि वह पार्टी के दायित्वों का पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगी। इस मौके पर रामजी मिश्रा, सत्य प्रकाश कठेरिया, राजेंद्र सिंह चौहान, राजेश सचान, मदन पांडेय, श्याम सिंह सिसोदिया, डॉ सतीश शुक्ला, डॉक्टर विवेक द्विवेदी, श्याम मोहन दुबे, बबलू शुक्ला, बबलू कटियार, जिला मीडिया प्रभारी विकास मिश्रा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

जम्मू कश्मीर के लेफ्टीनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा कल कानपुर में

» **कानफिडरेशन आफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआइआइ) के विकसित भारत संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जम्मू कश्मीर के लेफ्टीनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा बुधवार को शहर में रहेंगे। वह कानफिडरेशन आफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआइआइ) के विकसित भारत संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाले उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने उनके आगमन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं।कानफिडरेशन आफ इंडियन इंडस्ट्री का विकसित भारत संवाद कार्यक्रम 'एज 2025' का बुधवार को आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दि लैंडमार्क टावर्स में दोपहर साढ़े तीन बजे से शुरू होगा। इसमें कानपुर समेत आसपास के जनपदों के उद्यमियों को आमंत्रित किया गया है। तकनीक, चिकित्सा, ऊर्जा समेत अन्य क्षेत्रों में स्टार्टअप करने वाले युवा उद्यमियों को भी बुलाया गया है।

इन उद्यमियों ने न सिर्फ शहर का नाम रोशन किया है, बल्कि विदेशों में भी इनके उत्पाद की तूती बोल रही है। समारोह में जम्मू कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान कुछ कंपनियों के बीच करार भी हो सकता है।

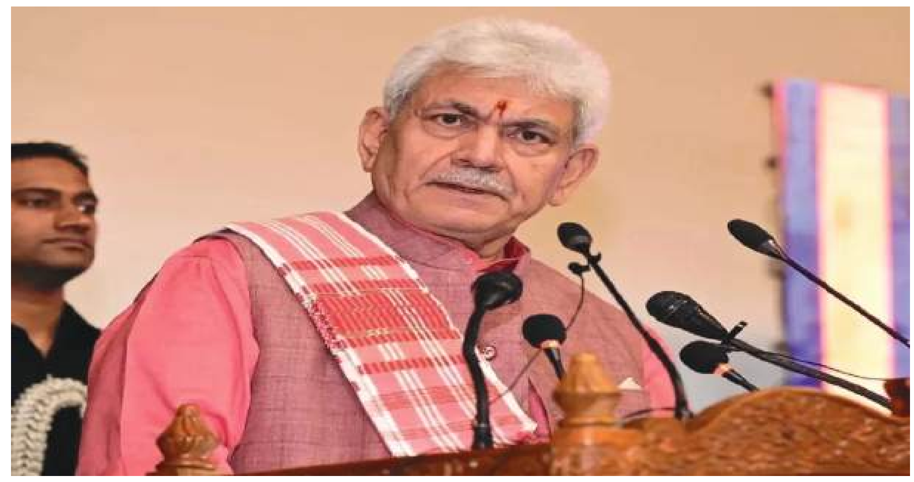

चचेरे बहनोई के निधन पर जाएंगे घर

जम्मू कश्मीर के राज्यपाल कोहना निवासी चचेरे बहनोई विजय मिश्रा के घर भी जाएंगे। विजय मिश्रा का बीमारी के चलते सोमवार को निधन हो गया था। लेफ्टिनेंट गवर्नर दुखी परिवार से मिलेंगे। उन्हें सांत्वना देंगे।

मिनट टू मिनट प्रोग्राम

जम्मू-कश्मीर के एलजी (लेफ्टिनेंट गवर्नर) मनोज सिन्हा 19 मार्च को शहर में रहेंगे। वे बुधवार दोपहर 12:55 बजे दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरेंगे। दोपहर दो बजे वे कानपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से मनोज सिन्हा सीधे दोपहर 2:40 बजे होटल लैंडमार्क पहुंचेंगे। यहां से वे पुराना कानपुर निवासी अपनी चचेरी बहन के घर जाएंगे।

कानपुर में गृहकर न जमा करने पर सीएसए का खाता सीज, दो टेनरी भी सील, इन जोन में हुई कार्रवाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर निगम राजस्व वसूली को लेकर लगातार कार्रवाई कर रहा है। सोमवार से एक बार फिर से विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। गृहकर न जमा करने पर सीएसए का खाता सीज कर दिया गया। वहीं, जाजमऊ में 2 टेनरी पर भी सीलिंग की कार्रवाई की गई। इसके साथ अलग-अलग जोन 8 भवनों को सील कर दिया गया। नगर आयुक्त सुधीर कुमार के निर्देश पर जोनल अधिकारी जोन - 6 रवि शंकर यादव द्वारा चंद्रशेखर आजाद विश्वविद्यालय (सीएसए) में राजस्व वसूली की कार्रवाई की। सीएसए को 9 करोड़ 84 लाख रुपये जमा करने थे लेकिन कई बार अनुरोध व विभागीय स्तर से प्रयास करने पर जब धनराशि जमा नहीं कराई गई तो सोमवार को सीएसए के दो अधिकारिक खाता भारतीय स्टेट बैंक में सीज कराए गये। इस दौरान सीएसए के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया गया कि जल्द बकाया जमा कर देंगे। इसके साथ ही टीम ने भवन संख्या 121 जे2/ 47 विजय नगर को भी सील कर दिया। यहां 3,91869 बकाया था। इसी प्रकार मसवानपुर वार्ड में भी बकाया गृह कर भुगतान ने होने पर तीन अन्य भवन सील किए गए।

नगर निगम ने जोन दो में जाजमऊ स्थित जार्ज फैशन टेनरी द्वारा 58 लाख न देने पर सीलिंग की कार्रवाई की गई इसके साथ ही यहां मो. खालिद टेनरी को भी सील किया गया। टेनरी पर 51 लाख रुपये बकाया था।

किदवई नगर में 4 भवन सील

नगर निगम ने जोन 3 में गृहकर न जमा करने पर 4 भवनों को सील कर दिया। 4 भवनों से कुल लभग 15 लाख रुपये वसूली करनी थी। लेकिन, बकायेदारों द्वारा जमा नहीं कराया जा रहा था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उ॰प्र॰) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उ॰प्र॰) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

पत्नी से झगड़ा के बाद पति ने किया सुसाइड

» पति ने पहले लगाया आग फिर लगाया फांसी

घटनास्थल पर पहुंचे गजनेर थाना प्रभारी व फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किया।

संवाददाता स्वराज इंडिया

माती। गजनेर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत नहोली में पत्नी से झगड़ा के चलते 28 वर्षीय युवक भोला शंखवार ने पहले आग लगाई, फिर इसके बाद फांसी में झूल गया। ग्रामीणों द्वारा सूचना पर पहुंची। गजनेर पुलिस छानबीन कर शव को कब्जे में ले कर कानूनी कार्रवाई की।

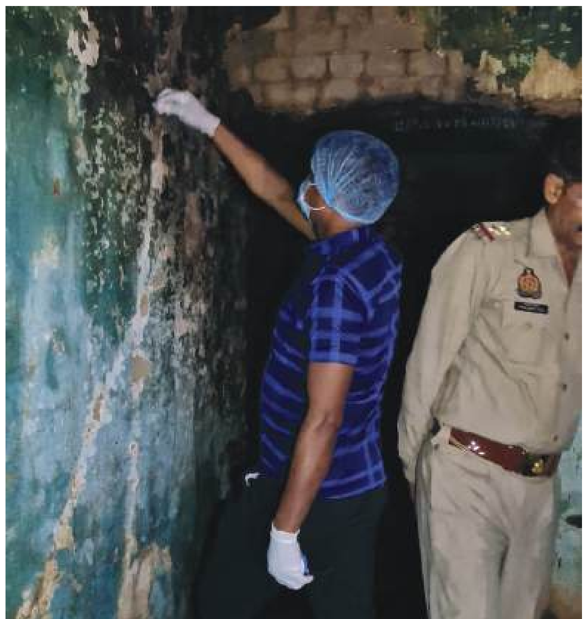

मौके पर जांच करती पुलिस टीम

ग्रामीणों की जानकारी के अनुसार, गजनेर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत नहोली में कल रात्रि 1 बजे भोला शंखवार ने पहले आग लगाई फिर फांसी में लटक गया। बता दें कि, ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि भोला और उसकी पत्नी संगीता के साथ कुछ दिन पहले झगड़ा हो गया था, जिससे पत्नी अपने मायके पर रह रही थी। दो बच्चे भी हैं। मोनू 12 वर्षीय , दुसरा बच्चा हिमांशु 4 वर्षीय , तीसरी बच्चा रूवि 7 वर्षीय जो अपने पिता के साथ रहते थे। नहोली में भोला अपने दोनों बच्चों के सारे काम करके प्राइवेट ड्यूटी नबीपुर जाता था, फिर शाम को आने के बाद खाना वही बनाया करता था। अपने बच्चों को खिलाने के लिए और साथ में रहता था।

कल रात को भोले की पत्नी अपने मायके से भोले के घर आई, तभी भोला और उसकी पत्नी से झगड़ा होने लगा। धीरे-धीरे झगड़ा इतना विकराल रूप ले लिया की पत्नी घर से निकल गई और भोला अपने बच्चों को पड़ोस में दूसरे घर पर लिटा दिया और अपने घर पर आकर भोला पहले अपने आप को आग के हवाले किया। आग की जिसकी लपटे देख पड़ोसियों के द्वारा बचा लिया गया और कुछ समय बाद भोला कमरे में जाकर फांसी लगाकर अपने आप को मौत के हवाले कर दी। पड़ोसियों द्वारा घर पर आकर देखा तो फांसी में लटका मिला। ग्रामीणों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची गजनेर थाना प्रभारी पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम साक्ष्य संकलित किया और घटना की जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई चालू कर शव पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया थाना प्रभारी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद व परिजनों के तहरीर के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षामित्र की पुत्री ने टिनशेड से लटक कर दी जान

» परिजनों में मचा कोहराम

» 17 वर्षीय छात्रा ने संदिग्ध परिस्थितियों में लगाई फांसी, जांच में जुटी पुलिस

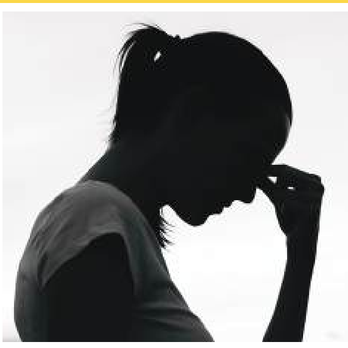

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात के शिवली थाना क्षेत्र के परनामिनपुरवा के मजरा ढिकिया प्रतापपुर में रविवार को एक 17 वर्षीय छात्रा ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान स्थानीय परिषदीय स्कूल में शिक्षामित्र के रूप में कार्यरत रामप्रसाद की बेटी सौम्या के रूप में हुई है।मिली जानकारी के अनुसार, सौम्या ने अपने कमरे में टिनशेड से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल फोरेंसिक टीम और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। तत्पश्चात पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी हरमीत सिंह ने बताया कि आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मृत्यु के सटीक कारणों का पता चल सकेगा।

अकबरपुर में भव्य ढंग से मनाया जाएगा भगवान परशुराम जन्मोत्सव

» बैठक में कार्यक्रम की रणनीति पर हुई चर्चा

» आयोजन के लिए भार्गव परशुराम सेवा समिति का होगा गठन

संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। अकबरपुर में 30 अप्रैल को परशुराम जन्मोत्सव पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। कस्बे के नेहरू नगर में विप्र समाज की बैठक सम्पन्न हुई। इसमें आगामी परशुराम जन्मोत्सव के आयोजन को लेकर चर्चा हुई। सोमवार को हुई बैठक का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ हुआ। बैठक की अध्यक्षता के लिए सर्वसम्मति से लक्ष्मीकांत दीक्षित को चुना गया। इसके बाद जन्मोत्सव के स्थान, अतिथि और कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर सभी से सुझाव लिए गए। तय किया गया कि कार्यक्रम में प्रतिष्ठित संतो, परशुराम अभिनेताओं, कवियों और समाज के बुद्धजीवियों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष निरन्तर आयोजन के लिए भार्गव परशुराम सेवा समिति का गठन किया जाएगा और संस्था को पंजीकृत कराया जाएगा। समिति के तत्वावधान में ही जन्मोत्सव का आयोजन होगा। आगामी 23 मार्च को पुन: बैठक बुलाई गई है। इसमें भार्गव परशुराम सेवा समिति के पदाधिकारियों का चुनाव किया जाएगा। चुनाव अधिकारी के रूप में लक्ष्मीकांत दीक्षित को चयनित किया गया है। इस दौरान लक्ष्मीकांत दीक्षित, शिव शंकर शुक्ला, ब्रह्म कुमार द्विवेदी, राजेश दीक्षित, मनोज त्रिवेदी, अर्पित मिश्रा, अभिषेक मिश्रा सोनू, प्रदीप मिश्रा, राज द्विवेदी, श्याम बिहारी पाण्डेय, गौरव मिश्रा, अभिषेक तिवारी, प्रशांत अवस्थी, रामनरेश त्रिपाठी, मयंक मिश्रा, केशव शुक्ला, विकास शुक्ला, प्रभात मिश्रा, आयुष त्रिवेदी, उमंग मिश्रा, राहुल तिवारी, सागर द्विवेदी आदि लोग मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत सचिवालय के कंप्यूटर सिस्टम से ही किए जाएं भुगतान: सीडीओ

ग्राम पंचायत से बाहर कंप्यूटर ले जाकर भुगतान करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

» पंचायत गेटवे पोर्टल के माध्यम से ही पीएफएमएस और ई-ग्राम स्वराज के काम किए जाएं भुगतान

» ग्राम पंचायत में उपरोक्त प्रकरण संज्ञान में आता है तो होगी कार्यवाही लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं :सीडीओ लक्ष्मी एन0

सीडीओ-कानपुर देहात

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के मार्गदर्शन में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 ने अवगत कराया कि यह देखा जा रहा है कि ग्राम सचिवालय में स्थापित कम्प्यूटर सिस्टम का सी0पी0यू0 ग्राम पंचायत से इतर किसी अन्य स्थान पर ले जाकर केन्द्रीय वित्त आयोग एवं राज्य वित्त आयोग की धनराशि के भुगतान की प्रकिया की जा रही है। यह स्थिति अत्यन्त ही आपत्तिजनक है। उन्होंने बताया कि शासन से प्राप्त निर्देशों के तहत समस्त ग्राम सचिवालयों में पंचायत गेटवे https://panchayatgateway.in) इन्स्टॉल कराकर, पंचायत गेटवे पोर्टल के माध्यम से ही पी0एफ0एम0एस0 एवं ई-ग्राम स्वराज से संबंधित समस्त कार्य ग्राम सचिवालयों के कम्प्यूटर सिस्टम से सम्पादित किये जाने के निर्देश निर्गत किये गये है एवं पंचायत गेटवे से इतर भुगतान / बाउचर बनाने वाले ग्राम सचिवों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये है।

उन्होंने समस्त ग्राम सचिव, समस्त खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया है कि ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों के भुगतान से सम्बन्धित समस्त कार्य ग्राम सचिवालय में स्थापित कम्प्यूटर सिस्टम से ही कराना सुनिश्चित करें। यदि किसी ग्राम पंचायत में उपरोक्त प्रकरण संज्ञान में आता है तो आपके विरूद्ध पंचायती राज अधिनियम 1947 में निहित धाराओं का प्रयोग करते हुए नियमानुसार विभागीय दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

यमुना नदी में डूबे तीसरे युवक का मिला शव

दोनों ममेरे भाइयों का हुआ अंतिम संस्कार, गांव में छाया मातम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। होली के दिन मुक्ता देवी के पास यमुना नदी में नहाने गए तीन भाई डूब गए थे। शुक्रवार को दो ममेरे भाईयों के शव मिलने के बाद गांव में मातम छाया था। वहीं तीसरे दिन नदी में डूबे युवक का शव एसडीआरएफ टीम ने घाटमपुर क्षेत्र के काटर गांव के सामने से बरामद कर लिया।

खालेशहर मूसानगर के मुन्ना नामदेव के पुत्र सचिन (20) ने बताया कि वह अपने चचेरे बड़े भाई जतिन (23), मूसानगर निवासी फूफा रामप्रताप के पुत्र मनीष (22), दिल्ली निवासी फूफा पवन कुमार के पुत्र प्रिंस (23) समेत गांव के ही दोस्त निखिल (20) व पप्पू (21) के साथ बीती शुक्रवार सुबह मुक्ता देवी के पास यमुना नदी गया था। जहां सचिन, जतिन, प्रिंस व मनीष नदी में नहाने के लिए उतर गए। जबकि निखिल पप्पू बाहर बैठे रहे। अचानक प्रिंस का पैर फिसल गया और वह पानी में डूबने लगा। जिसपर साथ में नहा रहे सचिन, जतिन, मनीष ने प्रिंस को बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव के चलते चारों नदी में डूबने लगे। किनारे खड़े निखिल व पप्पू ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया। जिसपर नदी में मछली पकड़ रहे गांव के ही बऊवा ने सचिन को मशक्कत के बाद बचा लिया।

लेकिन जतिन, प्रिंस व मनीष यमुना नदी में डूब गए। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और

लोग मौके पर पहुंच गए। जानकारी पर एएसपी राजेश पांडेय, सीओ भोगनीपुर संजय सिंह, एसडीएम भोगनीपुर जितेंद्र कुमार कटियार मौके पर पहुंचे थे। जतिन को गोताखोर जहार सिंह की टीम ने निकालकर सीएचसी पुखरायां भेजा था। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं देर शाम मनीष के शव भी नदी से बरामद कर लिया गया था। शनिवार को मनीष और जतिन के शवों का हलिया घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। वहीं एसडीआरएफ टीम तीसरे डूबे युवक प्रिंस की यमुना में तलाश कर रही थी।

रविवार सुबह घटना स्थल से लगभग छह किलोमीटर दूर कोतवाली घाटमपुर क्षेत्र के काटर गांव के सामने से प्रिंस नामदेव के शव को बरामद किया गया। पुलिस ने परिजनों को ले जाकर शिनाख्त कराई। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कस्बे में बड़ी घटना होने से होली का त्योहार फीका रहा। उधर शनिवार को प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, नगर पंचायत मूसानगर अध्यक्ष प्रतिनिधि विनोद निषाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री व महामंडलेश्वर साध्वी निरंजन ज्योति ने भी पीड़ित परिवार से मिल कर ढांढस बंधाया था और शोक संवेदना व्यक्त कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया था।

सपा नेता ने सांत्वना देकर जताया शोक

शुक्रवार को यमुना नदी में नहाते समय तीन युवकों की यमुना में डूब कर मौत होने की जानकारी पर रविवार को समाजवादी पार्टी के नेता मनु यादव साथियों सहित पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिजनों को सांत्वना दी और शोक व्यक्त किया। साथ ही हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि इस दु:ख की घड़ी में सब लोग उनके साथ खड़े हैं।

घर का बुझ गया एकलौता चिराग

एकलौते पुत्र जतिन की मौत पर पिता राजेश कुमार नामदेव, मां अरुणा देवी, बहन प्रिया, प्रांची और पारुल बिलखती रहीं। सिसकियां भरते हुए पिता ने बताया कि वह जतिन कपड़े सिलने का काम करते हैं। जतिन एकलौता बेटा था, जो मूसानगर में लाइट फिटिंग का काम करता था और घर की जिम्मेदारी सम्भाले था।

अयोध्या के त्रिवेणी सदन में आग का तांडव

» आग बुझाने में जुटे रहे दमकलकर्मी

शॉर्ट सर्किट से कपड़े की दुकान में लगी आग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।कोतवाली नगर अंतर्गत अमानीगंज जलकल के सामने स्थित त्रिवेणी सदन के तीसरी मंजिल पर मंगलवार की सुबह करीब 10 बजे आग लग गई। विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित इस बिल्डिंग में कई दुकानें व मल्टीलेवल पार्किंग भी है। साथ ही लोगों के ठहरने का भी इंतजाम है।

सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड आग बुझाने का प्रयास कर रही है। संभावना जताई जा रही है एसी के वायर में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगी है। मौके पर कोतवाली नगर पुलिस व फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौजूद हैं। तेज हवाओं के चलते आग बुझाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जबकि दूसरी तरफ कोतवाली नगर अंतर्गत जमुनिया बाग स्थित एलजी चेंबर में कमला ट्रेडर्स की दुकान में भीषण आग लग गई। घटना सुबह करीब 7:00 बजे की है, सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। शहर के रामनगर स्थित नील विहार कॉलोनी निवासी दुकान मालिक राजेंद्र आहूजा ने बताया कि दुकान में करीब 30 से 40 लाख रुपए का रेडीमेड कपड़े व अन्य सामान जल गया है। नगर कोतवाल अश्वनी पांडे ने बताया फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया, जिससे मार्केट में अन्य दुकान जलने से बच गई। किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। संभावना है शार्ट सर्किट के चलते आग लगी।

22 मार्च से हिंडन एयरपोर्ट से जम्मू की फ्लाइट

» जम्मू से कटरा की यह उड़ान महज एक घंटे की होगी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गाजियाबाद। जो लोग वैष्णो देवी जाना चाहते हैं और ट्रेन या बस की लंबी यात्रा से बचना चाहते हैं उनके लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की तरफ से 22 मार्च से हिंडन एयरपोर्ट से जम्मू की फ्लाइट शुरू हो रही है। जम्मू से कटरा की यह उड़ान महज एक घंटे की होगी। ऐसे में अब लोगों को वैष्णों देवी जाने के लिए दो-दो दिन या तीन-तीन दिन की छुट्टी लेने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।इसके अलावा इसी दिन चेन्नै से हिंडन की भी फ्लाइट शुरू हो रही है। 1 मार्च से ही एयर इंडिया एक्सप्रेस की तरफ से गोवा, कोलकाता, बैंगलुरू और फिर मुंबई के लिए कई फ्लाइट शुरू की जा चुकी हैं।हिंडन से जम्मू की फ्लाइट सुबह 9:45 पर हिंडन से शुरू होगी जो जम्मू एयरपोर्ट पर सुबह 11:20 बजे पहुंचाएगी।

अभी तक यह सुविधा केवल दिल्ली एयरपोर्ट से ही लोगों को मिल रही थी। जबकि जम्मू से हिंडन की फ्लाइट दोपहर 1 बजे की होगी जो दोपहर 2:30 पर हिंडन पहुंचाएगी। हिंडन से जम्मू की फ्लाइट शनिवार को छोड़कर रोजाना उपलब्ध होगी। ठीक इसी तरह से जम्मू से हिंडन की भी फ्लाइट शनिवार को छोड़कर रोजाना पैसेंजर्स के लिए उपलब्ध होगी।

वहीं हिंडन से चेन्नई के लिए दो अलग-अलग समय पर फ्लाइटें शुरू होनी हैं। एक फ्लाइट शाम 3:10 बजे शुरू होगी जो शाम 6:05 बजे पहुंचाएगी। यह भी सुविधा शनिवार को छोड़कर रोजाना उपलब्ध रहेगी। शनिवार को हिंडन से चेन्नई के लिए एक फ्लाइट शुरू होगी। यह सुबह 9:45 पर शुरू होगी जो 12:40 पर चेन्नई पहुंचाएगी। जबकि चेन्नई से हिंडन के लिए पैसेंजर्स को सातों दिन फ्लाइट उपलब्ध मिलेगी। यह शाम 5:15 पर चेन्नई से रवाना होगी और शाम को 8:25 पर हिंडन पहुंचाएगी।एयरइंडिया एक्सप्रेस की तरफ से 30 मार्च से शुरू होने वाले एयरइंडिया एक्सप्रेस के लिए भी टिकट बुकिंग शुरू कर दी गई है। हिंडन से भुवनेश्वर की फ्लाइट सुबह 9:20 पर शुरू होगी और 11:45 पर भुवनेश्वर पहुंचाएगी। ठीक इसी तरह से भुवनेश्वर हिंडन के लिए 12:15 पर उड़ान शुरू होगी जो 2:30 पर पहुंचाएगी। यह सभी फ्लाइट 180 सीटर है। वर्तमान समय में 80 प्रतिशत से अधिक की इनकी बुकिंग चल रही है।

अयोध्या में बड़ा हादसा
केएम शुगर मिल का कूलिंग टावर गिरा

कई मजदूर दबे, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मंगलवार को अयोध्या के मसौधा स्थित केएम चीनी मिल में एक बड़ा हादसा हो गया। चीनी मिल में अचानक कूलिंग टावर भरभराकर गिर गया, जिससे वहां काम कर रहे कई मजदूर दब गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। लगभग एक घंटे से राहत और बचाव कार्य चल रहा है। मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे के वक्त कई मजदूर कूलिंग टावर के पास काम कर रहे थे। हादसे में कितने लोग घायल हुए हैं, इसका सही आंकड़ा अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन कई मजदूरों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है।

प्रशासन ने दिए जांच के आदेश

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दे दिए हैं। मौके पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम पहुंच चुकी है, जो हादसे के कारणों की जांच कर रही है। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों और मजदूरों के परिवारों में रोष है। वे मिल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

खास घर बने थे निशाना, पत्थरों से भरी मिली ट्रॉली

फडणवीस बोले- सुनियोजित थी नागपुर हिंसा, शांति की अपील

» मुंबई, एजेंसी।

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर हिंसा को सुनियोजित हमला करार दिया। उन्होंने कहा कि धार्मिक सामग्री जलाने की अफवाह फैलाई गई। हिंसा में 33 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। सीएम फडणवीस ने कहा है कि कानून-व्यवस्था को हाथ में लेने वाले किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा।

हिंसा में तीन पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) घायल हुए हैं और एक डीसीपी पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। सीएम ने कहा कि औरंगजेब के खिलाफ फिल्म छावा ने गुस्से को बढ़ाया है। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

पुलिस पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: सीएम

विधानसभा में सीएम फडणवीस ने कहा कि नागपुर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद धार्मिक सामग्री को जलाने की अफवाह फैलाई गई। यह एक सुनियोजित हमला लगता है। किसी को भी कानून-व्यवस्था अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं है। सीएम ने कहा कि पुलिस पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

11 थाना क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि तीन डीसीपी समेत कुल 33 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पांच घायल नागरिकों में से तीन को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। एक आईसीयू में है। नागपुर के 11 थाना क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू है। हिंसा मामले में पांच अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं।

»हिंसा में 33 पुलिसकर्मी घायल, डीसीपी भी जख्मी।

»कहा- पुलिस पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमें हिंसा वाली जगहों से पत्थरों की एक ट्रॉली मिली है। कुछ खास घरों और संस्थानों को निशाना बनाया गया। एक डीसीपी पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। जिन लोगों ने कानून-व्यवस्था अपने हाथ में ली है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने कहा कि पुलिस पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विधानभा में हुआ हंगामा

फडणवीस ने कहा कि पुलिस को मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल की शिकायत मिली है। इस पर कार्रवाई की जा रही है। इस बीच विधानसभा में सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी विधायकों ने मंगलवार सुबह एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्ष का आरोप है कि महायुति सरकार के कुछ मंत्रियों के बयान की वजह से महाराष्ट्र में स्थिति बिगड़ रही है। उधर, सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायकों ने कुछ लोगों पर मुगल सम्राट औरंगजेब का महिमामंडन करने का आरोप लगाया।

यूपी में योगी सरकार का बड़ा फैसला

प्रदेश में बनेंगे सात नए पुलिस कमिश्नरेट भवन

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सात जिलों में पुलिस कमिश्नरेट भवनों के निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वाराणसी, लखनऊ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, गौतमबुद्धनगर और प्रयागराज में पुलिस कमिश्नरेट भवनों के निर्माण जल्द से जल्द शुरू किया जाएं। साथ ही आठ जिलों में प्रस्तावित पुलिस लाइन के आवासीय व अनावासीय भवनों के निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर गृह विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हापुड़, चंदौली, औरैया, संभल, अमरोहा, शामली, अमेठी और कासगंज में पुलिस लाइन के आवासीय व अनावासीय भवनों के निर्माण का कार्य जल्द शुरू कराया जाए।

जिन परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है उनकी नियमित मानीटरिंग की जाए। गृह विभाग की टीम इन कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि सभी कार्य तय मानकों के अनुसार हो रहे हैं। उन्होंने इन कार्यों के प्रति फील्ड के अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने जालौन, बलरामपुर और मीरजापुर में तीन नई पीएसी वाहिनी (महिला) की स्थापना के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के निर्देश भी दिए। कहा कि संभल, बिजनौर और अयोध्या में पीएसी वाहिनी (पुरुष) की स्थापना किए जाने के लिए भूमि खरीद प्रक्रिया तेजी से पूरी की जाए। उन्होंने लखनऊ, गोरखपुर व बदायूं में पीएसी वाहिनी (महिला) की स्थापना के लिए आवासीय व अनावासीय भवनों का निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

विशेष सुरक्षा बल की चार नई वाहिनियों का होगा गठन

सीएम ने विशेष सुरक्षा बल की चार नई वाहिनियों के लिए अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा व सहारनपुर में स्थल जल्द चिह्नित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लखनऊ में विशेष सुरक्षा बल के मुख्यालय पहली वाहिनी की स्थापना के लिए आवासीय व अनावासीय भवनों व गोरखपुर में विशेष सुरक्षा बल की दूसरी वाहिनी की स्थापना के लिए किए जा रहे कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माणाधीन अथवा प्रस्तावित कार्यों में भूमि की आवश्यकता को पूरा करते हुए सभी कार्य तेजी के साथ आगे बढ़ाए जाएं।

नरेंद्र हत्याकांड में प्रेमी-प्रेमिका को सजा-ए-मौत

फैसला आते ही फूट-फूट कर रोए दोनों दोषी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मैनपुरी। करहल क्षेत्र के गांव ननमई में पांच मई 2024 हुई नरेंद्र कुमार की हत्या में प्रेमिका और उसके प्रेमी को न्यायालय ने फांसी की सजा सुनाई है। फैसला आते ही दोनों दोषी फफक- फफक कर रोने लगे। करहल थाना क्षेत्र के गांव राउरी चमनपुरा निवासी नरेंद्र कुमार के गांव नानमई निवासी मनु देवी से प्रेम संबंध थे। दोनों के बीच रुपए का लेनदेन भी चलता था। पांच मई 2024 को मनु देवी ने बर्थडे पार्टी का बहाना करके नरेंद्र को अपने यहां बुला लिया।

इस बीच महिला का दूसरा प्रेमी अभय उर्फ भूरा निवासी गढ़िया भी वहां पहुंच गया। तभी दोनों के बीच विवाद होने लगा। विवाद के दौरान अभय और मनु ने मिलकर नरेंद्र की हत्या कर शव को गांव के निकट तालाब किनारे फेंक दिया था। स्वजन ने शव बरामद करने के बाद केस दर्ज कराया। मामले की सुनवाई एडीजे चतुर्थ न्यायालय में हुई। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से शासकीय अधिवक्ता रोहित शुक्ला ने वादी, विवेचन सहित अन्य गांव की गवाही दी। आरोपित पक्ष की ओर से भी बचाव के साक्ष्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए। बुधवार को न्यायाधीश जहेन्द्र पाल ने नरेंद्र की हत्यारोपित मनु देवी और उसके प्रेमी भूरा को फांसी की सजा सुनाई है।

यूपी में 32 आईपीएस और 17 डीसीपी को मिली नई जिम्मेदारी

होली के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस में बंपर तबादले

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

एक बार फिर यूपी में बंपर तबादले हो गए हैं। होली के तुरंत बाद योगी सरकार ने 49 पुलिस अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंप दी है। इसमें 32 आईपीएस और 17 पुलिस उपाधीक्षक रैंक के अधिकारी शामिल हैं। आईपीएस हेमंत कुटियाल को पुलिस उपमहानिरीक्षक एसएसएफ लखनऊ बनाया गया है। जबकि अपर्णा कुमार का आईजी मानवाधिकार यूपी लखनऊ के पद पर तबादला कर दिया गया है। बता दें, 17 पुलिस उपाधीक्षकों के सोमवार को तबादले किये गए हैं। जिसमें से 6 ट्रेनी पुलिस उपाधीक्षकों को पहली तैनाती मिल गई है।

इसी क्रम में यूपी में आईपीएस अधिकारियों के बड़े स्तर पर तबादले किये गए हैं। करीब 4 तबादला लिस्ट जारी हुई है। आईपीएस हृदेश कुमार को डीआईजी ईओडब्ल्यू लखनऊ बनाया गया है। जबकि तेज स्वरूप सिंह को डीजीपी मुख्यालय में डीआईजी कार्मिक की जिम्मेदारी दी गई है। आईपीएस कमला प्रसाद यादव डीआईजी भ्रष्टाचार निवारण संगठन लखनऊ बनाये गए हैं। आईपीएस सुनीता सिंह को पीएसी मुख्यालय लखनऊ में डीआईजी नियुक्त किया गया है। राजेश सक्सेना को पीटीसी सुल्तानपुर का डीआईजी बनाया गया है। आईपीएस विकास कुमार वैद्य डीजीपी मुख्यालय में डीआईजी स्थापना, सूर्यकांत त्रिपाठी को डीआईजी फायर सर्विसेज, डी. प्रदीप कुमार को पुलिस भर्ती बोर्ड का डीआईजी और अरुण कुमार श्रीवास्तव को डीआईजी पीएसी सेक्टर, अयोध्या की जिम्मेदारी दी गई है। हेमंत कुटियाल को लखनऊ में डीआईजी एसएसएफ, शालिनी को डीआईजी पीएसी अनुभाग मुरादाबाद और स्वप्निल ममगैन को डीआईजी पीएसी सेक्टर मेरठ बनाया गया है।

दिनेश यादव बने सेनानायक 41वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद

इसके साथ ही आईपीएस एलवी एंटनी देव कुमार को अपर पुलिस महानिदेशक नियम एवं ग्रंथ यूपी लखनऊ, आईपीएस अतुल शर्मा को डीआईजी पीएसी अनुभाग कानपुर, शैलेंद्र कुमार राय को एसपी लोक शिकायत और मुख्यालय पुलिस महानिदेशक यूपी लखनऊ बनाया गया है। देवेंद्र कुमार को अपर पुलिस अधीक्षक नगर शाहजहांपुर, आयुष श्रीवास्तव को अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर और आलोक कुमार को सहायक पुलिस अधीक्षक संभल की जिम्मेदारी दी गई है।

दीपेंद्र नाथ का कानपुर तबादला

अजय प्रताप को सेनानायक 48वीं वाहिनी पीएसी सोनभद्र, नैपाल सिंह को सेनानायक 39वीं वाहिनी पीएसी मीरजापुर और कमलेश बहादुर को सेनानायक 25वीं वाहिनी पीएसी रायबरेली है। राकेश कुमार सिंह को सेनानायक 10वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी, आईपीएस लाल भरत कुमार पाल को सेनानायक 49वीं वाहिनी पीएसी गौतमबुद्ध नगर, अनिल कुमार यादव को पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट वाराणसी और रोहित मिश्रा को पुलिस महानिदेशक एसपी मुख्यालय लखनऊ से संबद्ध किया गया है।